पुनरावृति (साहित्य)

1. आज़ादी के बाद खानपान की चीज़ों में किस प्रकार का परिवर्तन आया? उदाहरण सहित समझाइए।
उत्तर: आज़ादी के बाद उद्योग–धंधों, नौकरियों और स्थानांतरण के कारण खानपान की चीज़ें एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश तक पहुँचने लगीं। पहले लोग केवल अपने क्षेत्रीय भोजन तक सीमित थे, लेकिन अब दही–बड़ा, छोले–भटूरे, डोसा, इडली, समोसा, रसगुल्ला आदि पूरे देश में आसानी से मिल जाते हैं।

2. बड़े शहरों में खानपान की विविधता किस कारण से देखने को मिलती है?
उत्तर: बड़े शहरों में विभिन्न प्रदेशों से आकर बसे लोगों के कारण खानपान की विविधता देखने को मिलती है। अलग–अलग राज्यों के लोग अपने भोजन की परंपरा साथ लाते हैं और धीरे–धीरे ये व्यंजन सबके बीच लोकप्रिय हो जाते हैं।

3. खानपान की चीज़ों का एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश तक पहुँचना भारत की एकता को किस प्रकार मज़बूत बनाता है?
उत्तर: जब एक प्रदेश का खाना दूसरे प्रदेश के लोग पसंद करने लगते हैं तो आपसी समझ और अपनापन बढ़ता है। अलग–अलग संस्कृति के लोग एक–दूसरे के खानपान से परिचित होकर भारत की "विविधता में एकता" को और मज़बूत बनाते हैं।

4. यासुकी-चान ने जब अपने अनुभव साझा किए, तो तोतो-चान को उनमें क्या विशेष लगा?
उत्तर: यासुकी-चान ने अपने कठिन जीवन और साधारण अनुभव साझा किए। तोतो-चान को यह विशेष लगा कि यासुकी-चान इतनी कठिनाइयों में भी खुश रहता है और अपने अनुभवों को सच्चाई से बताता है।

5. 'अपूर्व अनुभव' पाठ से हमें मित्रता और संवेदनशीलता के बारे में क्या सीख मिलती है?
उत्तर: इस पाठ से हमें सीख मिलती है कि सच्ची मित्रता में एक-दूसरे को समझना, अपनाना और सहानुभूति रखना ज़रूरी है। दूसरों के अनुभवों और भावनाओं को महत्व देना भी सच्ची संवेदनशीलता है।